बीईसीई–107

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(BDP)

(सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : BECE-107
पाठ्यक्रम का शीर्षक : भारत में औद्योगिक विकास
(2025-26)

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–68

बीईसीई-107
भारत में औद्योगिक विकास
2025-26

प्रिय छात्र,

जैसा कि बीडीपी कार्यक्रम संदर्शिका में बताया गया है, आपको अर्थशास्त्र के वैकल्पिक पाठ्यक्रम BECE–107 के लिए एक सत्रीय कार्य करना होगा। यह एक ट्यूटर मार्क्ड असाइनमेंट (TMA) है और 100 अंकों का है।

यह आवश्यक है कि आप सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में ही लिखें। यह सत्रीय कार्य (TMA) आपको विभिन्न श्रेणियों के प्रश्नों के उत्तर देने में सक्षम बनाने के लिए तैयार किया गया है। यहाँ मूल्यांकन अपने उत्तर को व्यवस्थित, सटीक एवं सुसंगत तरीके से प्रस्तुत करने की आपकी क्षमता को ध्यान में रखते हुए ही किया जाता है।

यह सत्रीय कार्य तीन खंडों में विभाजित है। याद रखें कि सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। खंड A में 20–20 अंकों के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। खंड B में 12–12 अंकों के चार मध्यम उत्तरीय प्रश्न हैं, जबकि खंड C में आपको 6–6 अंकों के दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

सत्रीय कार्य जमा करना

पूरे किए गए सत्रीय कार्य आपके **अध्ययन केंद्र के समन्वयक** को निम्नलिखित तिथि तक जमा कर दिए जाने चाहिए –

दिसंबर 2025 की सत्रांत परीक्षा में बैठने वाले छात्रों के लिए :	**30.09.2025**
जून 2026 की सत्रांत परीक्षा में बैठने वाले छात्रों के लिए :	**31.03.2026**

बीईसीई-107: भारत में औद्योगिक विकास

पाठ्यक्रम कोड : बीडीपी
सत्रीय कार्य कोड : बीईसीई-107/एसटी/2025-26
अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

A. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न **20 x 2 = 40 अंक**

(शब्द सीमा : प्रत्येक प्रश्न के लिए 500 शब्द)

1) औद्योगिक विकास में राज्यों के बीच असमानता की प्रकृति एवं विस्तृति स्पष्ट करें? ऐसी असमानताओं के प्रमुख कारण क्या हैं?

2) वैश्वीकरण का क्या अर्थ है? वैश्वीकरण द्वारा भारतीय औद्योगिक क्षेत्र के समक्ष उत्पन्न अवसरों और चुनौतियों का संक्षेप में वर्णन करें।

B. मध्यम उत्तरीय प्रश्न **12 x 4 = 48 अंक**

(शब्द सीमा : प्रत्येक प्रश्न के लिए 250 शब्द)

3) वैश्वीकरण द्वारा भारतीय औद्योगिक क्षेत्र के समक्ष उत्पन्न अवसरों और चुनौतियों का संक्षेप में वर्णन करें।

4) आर्थिक उदारीकरण के बाद से औद्योगिक क्षेत्र से संबंधित महत्वपूर्ण नीतिगत परिवर्तनों पर प्रकाश डालें।

5) उद्योगों के स्थान को प्रभावित करने वाले कारकों का संक्षिप्त विवरण दें।

6) भारत जैसी विकासशील अर्थव्यवस्था में बहुराष्ट्रीय कंपनियों की भूमिका की आलोचनात्मक समीक्षा करें।

C. लघु उत्तरीय प्रश्न **6 x 2 = 12 अंक**

(शब्द सीमा : प्रत्येक प्रश्न के लिए 100 शब्द)

7) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें –

(a) उद्योगों का विनिवेश

(b) भारत में प्रशासित मूल्य

(c) भारत में जनोपयोगी सेवाएँ

8) निम्नलिखित शब्दों को परिभाषित करें और बताएँ कि वे क्यों महत्वपूर्ण हैं।

(a) कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व

(b) प्रत्यक्ष विदेशी निवेश